मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 184, मुंबई, सोमवार, 29 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

नोएडा का ट्विन टावर जमींदोज

3700 किलो बारूद से दोनों टावर 80 हजार टन मलबे में बदले

सुपरटेक ने कहा- 500 करोड़ का हुआ नुकसान

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 93 में बने सुपरटेक के अवैध ट्विन टावर रविवार दोपहर ढाई बजे ढहा दिए गए। 100 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले दोनों टावर गिरने में सिर्फ 12 सेकेंड का वक्त लगा। इन्हें गिराने के लिए 3700 किलो बारूद का इस्तेमाल किया गया। इसके बाद दोनों टावर करीब 80 हजार टन मलबे में तब्दील हो गए। इस मलबे में कंक्रीट और स्टील शामिल हैं, जिनकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपए आंकी गई है। ट्विन टावर गिरने के बाद इन्हें बनाने वाली कंपनी सुपरटेक लिमिटेड ने 500 करोड़ रुपए के नुकसान की बात कही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

ट्विन टावर गिरने के बाद 5 मंजिलों के बराबर मलबा, नजदीकी इमारतों को बड़े नुकसान की खबर नहीं

हाईफाई बिल्डिंग में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

महिला दलाल क्राइम ब्रांच की हिरासत में

पुलिस की टीम ने एक महिला और पुरुष दलाल को गिरफ्तार करके 3 पीड़ित लड़कियों को सेक्स रैकेट के चंगुल से रेस्क्यू किया

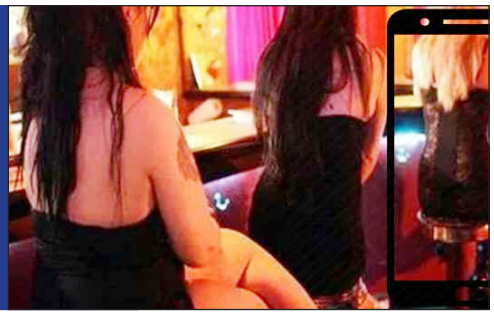

संवाददाता

भायंदर। एएचटीसी (क्राइम ब्रांच) भायंदर वेस्ट के को गुप्त सूचना मिली थी की मीरा रोड ईस्ट काशीमीरा पुलिस स्टेशन की हद में काशीमीरा, अमर पैलेस होटल के सामने कमलेश नगर मन ऑपस टावर बिल्डिंग नंबर 6 के एक रूम में एक महीला और एक पुरुष दलाल सेक्स रैकेट का घिनौना कारोबार चला रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

जिम प्रशिक्षक गिरफ्तार, मादक पदार्थ बरामद

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई के उपनगरीय घाटकोपर से एक जिम प्रशिक्षक को गिरफ्तार कर कथित तौर पर उसके कब्जे से गांजा, चरस और 'एलएसडी' बरामद किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी के घर पर छापेमारी की गई और मादक पदार्थ की बरामदगी के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने कहा कि मादक पदार्थ संबंधी नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

नवी मुंबईः 14.5 लाख रुपये का गुटखा जब्त

तीन गिरफ्तार

नवी मुंबई। रबाले एमआईडीसी पुलिस ने शनिवार को एक किशोर समेत तीन लोगों को कथित तौर पर 14.5 लाख रुपये के गुटखा की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों के अलावा, पुलिस ने कुल 16 लाख रुपये मूल्य के तीन वाहन भी जब्त किए हैं। तीनों की पहचान अभिषेक कुमार मंगला प्रसाद तिवारी (23), रंजीत कुमार दीनानाथ राजभर (19) और जय प्रदीप भानुशाली (34) के रूप में हुई है। पहले दो आरोपी उत्तर प्रदेश के ड्राइवर हैं, जबकि तीसरा आरोपी घाटकोपर का रहने वाला है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पुलिस ने वैन को चेक किया तो उसमें तीन लोग बैठे थे। पूछताछ करने पर तीनों ने गलत जानकारी देकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया

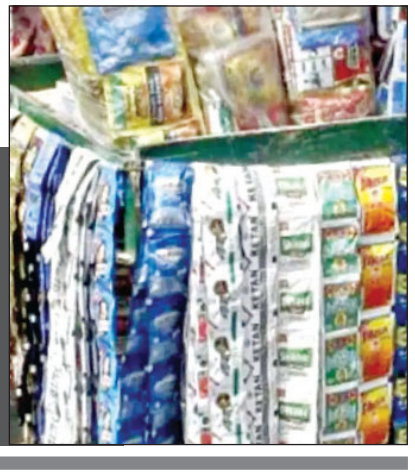

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आजाद का इस्तीफा

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को गुलाम नबी आजाद भी अंततः छोड़ गए। विगत एक वर्ष से पार्टी में हालात आजाद के प्रतिकूल होने लगे थे। कुल मिलाकर, 51 वर्ष की सेवा के बाद उनका कांग्रेस से जुदा होना कतई चौंकाता नहीं है। शुक्रवार को सोनिया गांधी को लिखे पांच पेज के लंबे पत्र में उन्होंने पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता तक से इस्तीफा दे दिया। बहरहाल, उनके फैसले से प्रभावित जम्मू-कश्मीर के पांच पूर्व विधायकों ने भी कांग्रेस से किनारा कर लिया है। इस केंद्र शासित प्रदेश में कांग्रेस और कमजोर पड़ गई है। बताया गया है कि गुलाम नबी आजाद को अपनी इच्छा के विरुद्ध काम करना पड़ रहा था और उनके पास पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा था। खैर, यह कांग्रेस ही नहीं, आजाद के लिए भी बहुत बड़ा फैसला है। कांग्रेस निर्णायक दौर से गुजर रही है। ऐसे में, यह सहज सच्चाई नहीं है कि कोई बड़ा नेता पार्टी छोड़ जाए। कांग्रेस की महत्वाकांक्षी पदयात्रा निकलने वाली है। महत्वपूर्ण चुनाव करीब आ रहे हैं, कई महत्वपूर्ण राज्यों में पार्टी को चुनाव के लिए खड़ा करने का मौका फिसलने लगा है, तब गुलाम नबी आजाद का जाना कोई अच्छा संदेश नहीं है। इससे कांग्रेस के मनोबल को कतई मजबूती नहीं मिलने वाली। ऐसे नेता वर्षों मेहनत-अनुभव से तैयार होते हैं, पार्टी के लिए पूंजी होते हैं, लेकिन पार्टी ने अपनी इस पूंजी को बचाने की बहुत कोशिश नहीं की है। आशंका है कि अभी अनेक नेता कांग्रेस छोड़कर जाएंगे, पार्टी को सचेत भाव से चल रहे बिखराव को रोकना चाहिए। कांग्रेस को साल 2024 में बड़ी निर्णायक चुनावी लड़ाई का सामना करना है। पार्टी अभी अगर अपना घर दुरुस्त नहीं करेगी, अगर नई संतुलित राजनीतिक टीमें नहीं बनाएगी, तो बेशक, मुश्किलें उसका इंतजार कर रही हैं। पार्टी आजाद को कश्मीर में आगे रखकर तैयारी कर रही थी, लेकिन शायद वह उन्हें विश्वास में लेकर नहीं चल सकी। आजाद का आरोप है कि पार्टी को मनमाने ढंग से चलाया जा रहा है, सलाह-मशविरे की परिपाटी खत्म हो रही है। लेकिन आजाद के पार्टी छोड़ जाने का एक दूसरा पहलू भी है। क्या राजनीति में कोई रिटायर होना नहीं चाहता? क्या हर वरिष्ठ या बुजुर्ग नेता को अपनी पार्टी छोड़कर आगे बढ़ जाना चाहिए? यह सवाल लोग पूछ रहे हैं कि आजाद को कांग्रेस ने आखिर क्या नहीं दिया था? वह तो जमीनी आधार वाले मजबूत नेता भी नहीं थे, तब भी वह केंद्र में मंत्री, राज्य में मुख्यमंत्री, राज्यसभा में पार्टी के संसदीय दल के नेता भी रहे, फिर भी वह पार्टी के प्रति असंतोष जता गए? सिर्फ गलतियां गिनाने की राजनीति वास्तव में दुखद है। क्या राजनीति में किसी नेता को अपने योगदान और अपनी उपलब्धियों को समग्रता में नहीं देखना चाहिए? खैर, यह बात हर पार्टी और हरेक नेता पर लागू होती है। वास्तव में, किसी एक पार्टी के प्रति सोलह आना निष्ठा को लोग ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन क्या यह बात हमारे नेताओं की समझ में स्थापित है? वैसे अब चुनाव करीब आने लगे हैं, तो आया राम-गया राम के हालात अनेक बार बनेंगे। बहुत से नेता जिधर सत्ता की उम्मीद देखेंगे, उधर बढ़ चलेंगे। अब देखना है कि गुलाम नबी आजाद कांग्रेस से निकल किधर ठौर पाते हैं। नई पीढ़ी के राजनेता केवल कांग्रेस में ही नहीं हैं, हरेक पार्टी में हैं, हर जगह अनुभवी नेताओं को ज्यादा समझदारी के साथ खुद को स्थापित रखना होगा।

केऑस, अराजकता नहीं तो क्या!

क्या आपको, किसी मुख्यमंत्री को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पता है कि देश किस दशा में है? यदि पता होता तो बाढ़, खरीफ फसल की बरबादी पर चिंता होती। महंगाई की चिंता होती। बेरोजगारी की चिंता होती। शेयर बाजार, रुपया और आर्थिकी इस सस्पेंस में नहीं चल रहे होते कि आगे क्या होगा? न ही हैदराबाद की सड़कों पर हिंदू और मुसलमान आमने-सामने होते। राजधानी दिल्ली में अरविंद केजरीवाल यह नहीं कहते की नरेंद्र मोदी ने विधायकों को खरीदने के लिए आठ सौ करोड़ रुपए रखे हैं। सुप्रीम कोर्ट यह नहीं कहता कि लोगों की फोन से जासूसी की जांच में सरकार ने सहयोग नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच नागरिक के गले में ईडी के फंदे को जायज बताने की रूलिंग नहीं देती। ऐसे फैसले की थू-थू पर चीफ जस्टिस को फिर सुनवाई नहीं करानी होती। गुजरात में उन हत्यारों का अभिनंदन नहीं होता, जो बाले-बाले जेल से छूट गए। सोचें, चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई- ईडी-इनकम टैक्स से लेकर राज्यपालों, विधायिका, शासन, राजनीतिक टकराव, अस्थिरता और आपदाओं में बेहाल जिंदगी की 15 अगस्त 2022 के बाद जितनी खबरें सुनने को मिली हैं उन सबका निचोड़ केऑस में देश का होना नहीं तो क्या है! जैसा नरेंद्र मोदी मोदी ने लाल किले से कहा- अब नई अमृत वेला शुरू है। तो यह वेला बिहार, दिल्ली, झारखंड, हैदराबाद, मुंबई सभी तरफ सियासी टकराव, राजनीतिक अस्थिरता, करो-मरो के माहौल से आगे की अराजकता के क्या संकेत लिए हुए नहीं है!

मैं समझ नहीं पा रहा हू। पिछले दस दिनों में सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स की अपनी फौज को मोदी सरकार ने जिस ताकत से प्रदेशों में झोंका है उससे भाजपा और मोदी का क्या सधेगा? क्या इनसे 2024 में बिहार में नीतीश और तेजस्वी चुनाव हार जाएंगे? झारखंड में हेमंत सोरेन और उनके लोगों के यहां छापों से क्या उनके वोट बिखर जाएंगे? दिल्ली में केजरीवाल-मनीष सिसोदिया छापेमारी से क्या डर जाएंगे? वे क्या जनता में खलनायक माने जाएंगे? हैदराबाद में भाजपाई विधायक से हिंदुओं के धर्मयुद्ध के आह्वान से क्या देश हिंदू राष्ट्र हो जाएगा? सड़कों पर हिंदू बनाम मुस्लिम की खूंखारता को राष्ट्रीय चैनलों पर प्रसारित करवा कर क्या मोदी-शाह तेलंगाना में चंद्रशेखर राव को चुनाव हरा देंगे? इस सवालों का अर्थ है कि नरेंद्र मोदी अपनी सरकार के जिस सिस्टम से दस साल और राज करने के सपने देख रहे हैं क्या वैसा ही होगा? वे चौबीसों घंटे एक ही मिशन में हैं। कैसे भी हो दिल्ली के तख्त पर स्थायी कब्जा बनाना है। उनके चरणों में सारा देश रहे। हमने वह माहौल, वह मौसम बना लिया है, लोगों के दिल-दिमागो को इतना खोला दिया है हमें कोई नहीं हरा सकता। हम कभी नहीं हारेंगे। हम भारत के 140 करोड़ लोगों के भविष्य का वह बापी पट्टा लिखा कर आए हैं कि जब हम जो चाहेंगे वैसे ही लोग, वैसा ही माहौल, वैसी ही जलवायु होगी। उनसे जो चाहेंगे नतीजे होंगे! सोचें, यदि ऐसी रियलिटी होती तो भाजपा विधायक राजा सिंह के क्या पैगंबर पर बोल निकलते? कोर्ट उन्हें फटाफट कैसे छोड़ देता? क्यों वे बाद में भी यह बोले हैं कि-अब हिंदू पीछे हटने वाला नहीं है। आशा करता हूं कि इस धर्मयुद्ध में हर हिंदू मेरा साथ देगा।.. गौर करें भाजपा कार्यकारिणी की हैदराबाद में बैठक हुई थी। उसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री व टीआरएस नेता चंद्रशेखर राव पर मोदी-शाह सबने अटैक किया। तब से लगातार एक के बाद एक तेलंगाना को टकराव की आग में खौलाने का हर संभव काम होता दिख रहा है। ओवैसी के गढ़ हैदराबाद में राजा सिंह की तीली से पूरे देश में पानीपत की तीसरी लड़ाई की झांकी बनी। ऐसे रोडमैप से आगे जो होना है उसका अनुमान लगा सकते हैं।

यहीं अराजकता, केऑस याकि अव्यवस्था बनवा कर मौके का फायदा उठाना है। बिहार, दिल्ली, झारखंड, महाराष्ट्र से लेकर सब तरफ, सभी मामलों में ऐसा मेस बना डालो, ऐसी अनिश्चितता पैदा कर दो, जिससे किसी को कुछ समझ ही नहीं आए। सब तरफ शासन ठप्प रहे। चौबीसों घंटे अटकलें और तनाव तथा गाली-गलौज। सब भटके, अपने को हिंदू बनाम मुस्लिम में बंटा पाएं। भ्रष्टाचारियों, परिवारवादियों में अपने को घिरा देखें। करें तो क्या करें? बावजूद इस सबके यह सत्य नोट रखें कि कोई माहौल को कितना ही खौला दे, पानी को कितना ही उबाले, नतीजे अनप्रेडिक्टेबल होते हैं। घटनाएं बस में नहीं रहती हैं। अव्यवस्था और अराजकता का अंत उन्हीं लोगों के लिए आत्मघाती होता है जो अपनी ताकत में सब कुछ मुमकिन मानते हैं।

कर्नाटक, बंगाल,दिल्ली में हार का घाव

यहीं कहानी कर्नाटक में दोहराई गई, जहां 2018 के चुनाव में भाजपा सरकार बनाने लायक बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी और कांग्रेस-जेडीएस ने चुनाव के बाद गठबंधन करके सरकार बना ली। वहां भी भाजपा ने डेढ़ साल में सरकार गिरा दी और अपनी सरकार बना ली। पश्चिम बंगाल का मामला और दिलचस्प है। भाजपा ने बंगाल का चुनाव करो या मरो वाले अंदाज में लड़ा था। ममता बनर्जी की पार्टी के दर्जनों बड़े नेताओं को तोड़ कर भाजपा में शामिल किया गया था। चुनाव आयोग ने इस तरह से कार्यक्रम बनाया था कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के पीक समय में भी दो महीने तक चुनाव चलता रहा। इसके बावजूद भाजपा चुनाव हार गई। उसके बाद से बंगाल में जो हो रहा है वह देश देख रहा है। भाजपा ने अपने सभी विधायकों और अनेक दूसरे देशों को केंद्रीय सुरक्षा बलों की सुरक्षा दे रखी है। कई बार स्थानीय पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के टकराव की स्थिति बनी। सत्तारूढ़ दल के नेताओं के खिलाफ लगातार केंद्रीय एजेंसियों के छापे चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी नेताओं के साथ साथ परिवार के सदस्यों के खिलाफ जांच चल रही है और गिरफ्तारी की तलवार लटकी है। ममता की पार्टी के अनेक नेता गिरफ्तार हो चुके हैं और भाजपा के नेता दावा कर रहे हैं कि तीन चौथाई बहुमत वाली ममता बनर्जी की सरकार गिरा देंगे। सबसे क्लासिकल केस दिल्ली का है, जहां भाजपा लगातार हार रही है। विधानसभा बनने के बाद 1993 के पहले चुनाव में भाजपा जीती थी। उसके बाद लगातार छह विधानसभा चुनावों में भाजपा हारी है। पिछले दो चुनावों में तो उसकी दुर्गति हुई है। 2015 के चुनाव में उसे 70 में से सिर्फ तीन सीटें मिली थीं और 2020 में वह महज आठ सीट जीत पाई। लेकिन दिल्ली की अनोखी प्रशासकीय संरचना का लाभ उठा कर भाजपा ने लगातार सरकार को परेशान किए रखा। बाद में तो संसद के कानून बना कर ही केंद्र ने अपने द्वारा नियुक्त उप राज्यपाल को ही दिल्ली सरकार घोषित कर दिया। उसके बावजूद किसी न किसी तरह से राज्य सरकार के कामकाज में केंद्र ने दखल बनाए रखा है। अब एक एक करके राज्य सरकार के मंत्रियों की धरपकड़ शुरू हुई है। एक मंत्री सत्येंद्र जैन हवाला के जरिए लेन-देन करने के आरोप में जेल में बंद हैं तो दूसरे मंत्री मनीष सिसोदिया के यहां शराब नीति को लेकर छापा पड़ा है। सिसोदिया खुद ही कह रहे हैं कि वे जल्दी ही जेल जा सकते हैं। इस बीच बस खरीद में कथित घोटाले का हल्ला मचा है, जिसमें कई लोगों की जांच की संभावना है। राज्य सरकार के अधिकारी लगातार निशाने पर हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कल्याण फाटा चौक की सड़क समाई गड्ढों में

गड्ढों के कारण हो रही है ट्रैफिक की समस्याएं और सड़क दुर्घटनाएं

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कल्याण शील सड़क पर सड़क दुर्घटनाओं का मामला अक्सर देखने को और सुनने को मिलता है आपको बताते चलें कल्याण फाटा चौक कहलाए जाने वाला परिसर की सड़क कल्याण डोंबिवली पुणे और नवी मुंबई जाने वाली मुख्य नेशनल हाईवे सड़क पर गड्ढों की भरमार है इस सड़क पर प्रतिदिन छोटी बड़ी वाहनों का आवाजाही लगा रहता है कल्याण डोंबिवली से भारी मात्रा में लोग कामकाज के लिए सवेरे नवी मुंबई जाने वाली वन विभाग की सड़क पर से गुजरना होता है बड़े अफसोस की बात है वन विभाग की सड़क पर गड्ढों की मात्रा काफी नजर आ रही है परंतु वन विभाग द्वारा सड़क के गड्ढों को क्यों नहीं भरा जा रहा है यह समझ से परे है बारिश का महीना चल रहा है और इस सड़क पर गड्ढों की इतनी भरमार है कि वाहन चालकों का वाहन चलाना दुबर हो

गया है सड़क पर गड्ढे होने के कारण आए दिन कोई न कोई दुर्घटनाएं सामने आती रहती है और ट्राफिक समस्याएं भी काफी उत्पन्न हो रही है लेकिन प्रशासन इसको देख कर भी अनदेखा कर रहा है जबकि ठाणे परिसर में गड्ढों के कारण एक युवक की जान चली गई थी और नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे जी ने भी यह ऐलान किया था कि सड़कों पर कहीं पर भी गड्ढे नजर नहीं आना चाहिए लेकिन प्रशासन की आंखें गड्ढों पर क्यों नहीं पड़ती है रात के समय में स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण वाहन चालकों को गड्ढे नजर नहीं आते जिसके कारण दुर्घटनाएं सामने आ रही है बताया जा रहा है की मानसून शुरू होने से पहले सड़के बनाई गई थी लेकिन पता नहीं किस तरह से सड़क को बनाया गया था की बारिश का मौसम खत्म भी नहीं हुआ की सड़कों पर भारी मात्रा में गड्ढे देखने को मिल रहे हैं स्थानीय मनसे पार्टी के विधायक राजू पाटिल कि कब नजर गड्ढे भरी सड़क पर पड़ेगी अगर गड्ढों के कारण कोई प्राणघातक दुर्घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा क्या पीडब्ल्यूडी इसकी जिम्मेदारी लेगी तो प्रशासन से निवेदन है कि जल्द ही कल्याण शील सड़क पर गड्ढों को भरा जाए ताकि कोई भी प्राणघातक दुर्घटना सामने ना आए आपको बताते चलें कौसा स्थित वाई जंक्शन पर सड़क पर गड्ढे होने के कारण एक स्कूटी सवार गिरने से स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा हो गया स्थानीय रहवासी द्वारा तत्काल स्कूटी सवार व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया और खड्डे को लेकर लोगों ने अपना आक्रोश जताया कि इन गड्ढे के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं काफी हो रही है और इसकी जिम्मेदारी नाही एमएमआरडीए द्वारा ली जा रही है और नाही ठाणे मनपा प्रशासन की पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा गड्ढे भरे जा रहे हैं फिलहाल जिस प्रकार स्थानीय रहवासियों में आक्रोश देखा जा रहा है उसको लेकर यह संकेत जताए जा रहे हैं कि अगर जल्द से जल्द पीडब्ल्यूडी विभाग ने गड्ढों को नहीं भरा तू स्थानीय रहवासी द्वारा सड़कों पर उतरने में देरी नहीं लगेगी।

मुंब्रा स्थित संजय नगर परिसर में इमारत के मकान से मिली एक व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में लाश

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। मुंब्रा स्थित संजय नगर परिसर की इमारत के मकान से एक व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में लाश मिलने का मामला प्रकाश में आया है राजेंद्र बमार्रे वर्ष 70 रहवासी निदा पैलेस हनुमान गली तळ मंजिला संजय नगर मुंब्रा का बताया जा रहा है इस मामले में स्थानीय समाज सेविका चेतना दीक्षित द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गत 26 अगस्त शुक्रवार शाम 6:00 बजे इस इमारत के मकान से काफी दुर्गंध स्थानीय रहवासी को आ रही थी लोगों ने मकान का दरवाजा भी खटखटाया लेकिन किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं मिलने पर रहवासी द्वारा मकान की खिड़की तोड़ी गई तब उन लोगों ने देखा कि वहां पर लाश पड़ी है रहवासी द्वारा मुंब्रा पुलिस को

सूचित किया गया सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुंच कर दरवाजा तोड़ा गया फिर लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु के लिए कलवा छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भेजा गया ऐसा कयास लगाया जा रहा है मृतक को मरे हुए चार से पांच दिन हो गए हैं इस मामले में मुंब्रा पुलिस द्वारा फिलहाल एडीआर दर्ज किया गया है मृतक के बारे में बताया गया यह पिछले आठ वर्षों से संजय नगर परिसर मे किराए से रह रहे थे और इस इमारत में दो वर्ष पहले ही मकान खरीदा गया था और वह अध्यापक थे इसी लिए प्राइवेट ट्यूशन ठाणे में बच्चों का लिया करते थे उनके परिवार में पत्नी और उनकी एक सुपुत्री हैं मृतक की पत्नी डोंबिवली में अपने दामाद के साथ रह रही थी और बदलापुर का मकान बंद रखा गया था परिवार में पति पत्नी में रंजिश होने के कारण 15 वर्षों से मृतक अपने परिवार से दूर रह रहे थे वर्ष 2017 में उनके दामाद द्वारा रामनगर पुलिस स्टेशन डोंबिवली में मृतक की गुमशुदा होने की शिकायत भी दर्ज कराई गई थी आपको बताते चलें मृतक के घर में ढाई लाख रुपए कैश और कई प्रॉपर्टी के मकानों के कागजात बरामद किए गए जो कि मृतक की पत्नी के हाथ में दे दिए गए!

खूनी बाईपास सड़क पर फिर ट्रेलर पलटने की घटी दुर्घटना

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अक्सर दुर्घटनाओं के कारण सुर्खियों में बने रहने वाला खूनी बाईपास सड़क पर फिर ट्रेलर पलटने की दुर्घटना सामने आई है इस मामले में विश्वसनीय सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 27 अगस्त शनिवार सवेरे 7:00 बजे शीलफाटा से ठाणे की ओर जा रहे ट्रेलर गाड़ी नंबर MH46 BB 5319 टनों के हिसाब से लोखंड का रोल लेकर खूनी बाईपास सड़क से गुजर रहा था तभी इस ट्रेलर को ओवर टेक दूसरी गाड़ी द्वारा किया गया जिसके चलते ट्रेलर चालक पवन कुमार मिश्रा का संतुलन बिगड़ने की वजह से ट्रेलर डिवाइडर तोड़ पलट गया वह तो गनीमत रही की ट्रेलर शैलेश

नगर की आबादी वाला इलाके में नहीं पलटा नहीं तो एक बहुत बड़ी दुर्घटना सामने आ सकती थी फिलहाल बताया जा रहा है ट्रेलर चालक पवन कुमार मिश्रा को किसी प्रकार की कोई गंभीर चोट नहीं आई है और इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है इस मामले की सूचना ट्रैफिक विभाग को दी गई सूचना मिलते ही ट्रैफिक विभाग के अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर क्रेन की मदद से ट्रेलर को हटाने का काम किया जा रहा है आपको बताते चलें खूनी बाईपास पर दुर्घटनाओं का सिलसिला आए दिन जारी रहता है ऐसा कोई दिन नहीं जाता है जिस दिन दुर्घटनाएं सामने खूनी बाईपास पर नहीं आती है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

नोएडा के ट्विन टावर जमींदोज

कंपनी के चेयरमैन आरके अरोरा ने रविवार को कहा, हमारा कुल करीब 500 करोड़ रुपए का है। इसमें जमीन की खरीद, कंसट्रक्शन और ब्याज पर खर्च हुई रकम शामिल है। ब्लास्ट के बाद दोनों टावर्स का मलबा साइट पर जमा हो गया है। भास्कर रिपोर्टर ने जब मौके का जायजा लिया, तो गिरी हुई इमारत के मलबे का ढेर करीब 50 से 60 फीट की ऊंचाई तक फैला नजर आया। यह ऊंचाई 5 मंजिला इमारत के बराबर है। पेड़ों और इमारतों से धूल हटाने के लिए 50 से ज्यादा फायर टेंडर्स को लगाया गया है। इलाके में पॉल्यूशन लेवल मॉनिटर करने के लिए स्पेशल डस्ट मशीनें लगाई गई हैं। ट्विन टावर को गिराने के लिए विस्फोट की जिस तकनीक का इस्तेमाल किया गया, उसके चलते घनी आबादी के बीच बने दोनों टावर अपनी जगह पर जमींदोज हो गए। आसपास की किसी इमारत को बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा। कुछ बिल्डिंग्स के शीशे टूटने और एक सोसाइटी की बाउंड्री वॉल में दरार आने की बात कही गई है। हालांकि नुकसान का सही आकलन सोसाइटी में रहने वाले परिवारों के लौटने के बाद ही हो सकेगा। नोएडा के सेक्टर 93 में जिस जगह सुपरटेक के अवैध टावर खड़े थे, वहां ब्लास्ट के 30 मिनट बाद धूल का गुबार हटने पर खाली जगह नजर आई। इसके साथ ही टावर के पीछे बनीं इमारतें भी दिखाई देने लगीं। टावर मलबे में बदले, तो करीब आधा किलोमीटर के इलाके में धूल फैल गई। आधे घंटे के बाद नोएडा अथॉरिटी के अमले ने एक्सप्लोजन साइट पर मोर्चा संभाल लिया। मलबा पूरी तरह हटाने में करीब तीन महीने का समय लगेगा। टावर से सटी एमराल्ड कोर्ट सोसाइटी के रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन प्रेसिडेंट उदयभान सिंह तेवतिया ट्विन टावर का मामला कोर्ट में ले गए थे। उन्होंने 2012 में अवैध निर्माण के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने 2014 में ट्विन टावर को अवैध घोषित कर गिराने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि जिन लोगों ने यहां फ्लैट बुक किए हैं, उन्हें 14% ब्याज के साथ उनका पैसा लौटाया जाए।

हाईफाई बिल्डिंग में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

फिर क्राइम ब्रांच की टीम ने बोगस ग्राहक भेजकर पुलिस की टीम ने ट्रेप लगाकर छापा मारा, पुलिस के इस छापे में 1 महिला और एक पुरुष दलाल के चंगुल से 3 पीड़ित लड़कियों को देह व्यापार के दलदल से रेस्क्यू किया। महीला और पुरुष दलाल काशीमीरा की मन ऑपस टावर के बिल्डिंग नंबर 6 के एक रूम में विगत कई महीनों से पीड़ित लड़कियों से देह व्यापार का घिनौना काम करवा रहे थे, और पुलिस की टीम को इस सेक्स रैकेट के बारे में भनक लगते ही पुलिस की टीम ने छापेमारी करके 3 लड़कियो को रेस्क्यू किया। अब क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी एक महीला और पुरुष दलाल के उपर पीटा एक्ट की विभिन्न (आईपीसी 370,34 पीटा एक्ट 3,4,5 ,7) धाराओं के तहत कानूनी कारवाई कर रही है। और तीन पीड़ित लड़कियो को महिला सुधारगृह भेजने की कानूनी कारवाई क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है।

नवी मुंबई : 14.5 लाख रुपये का गुटखा जब्त, तीन गिरफ्तार

रबाले एमआईडीसी पुलिस के अनुसार, जोन 1 के पुलिस उपायुक्त को इस सप्ताह की शुरूआत में एमआईडीसी क्षेत्र में एक संदिग्ध ट्रक खड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, 11 अगस्त को सूचना मिली थी कि महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखा को उत्तर प्रदेश से मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में बेचने के लिए लाया गया है। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने 21 अगस्त को एमआईडीसी इलाके में तलाशी ली तो वहां एक लाल रंग का ट्रक खड़ा मिला। बगल में एक पिकअप वैन भी खड़ी थी। पुलिस ने वैन को चेक किया तो उसमें तीन लोग बैठे थे। पूछताछ करने पर तीनों ने गलत जानकारी देकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। वैन की जांच में गुटखा से भरे 15 बोरे मिले, जबकि ट्रक में 20 बोरी तंबाकू उत्पाद मिले। अधिकारी ने कहा, इन दोनों वाहनों से 14.7 लाख रुपये का गुटखा जब्त किया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने 16 लाख रुपये मूल्य के तीन वाहन भी जब्त किए हैं। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्रोड्यूसर तुकाराम मोने द्वारा निर्मित हिंदी फिल्म 'वनश्री' का जबरदस्त ट्रेलर व म्युजिक लांच

एक्ट्रेस अँमी का बॉलीवुड डेब्यू, नगरसेवक राजू पेडणेकर, अभिजीत राणे, जरीना वहाब, दिलीप सेन, सुनील पाल, अली खान रहे उपस्थित

पुलिस अधिकारियों पर बॉलीवुड में कई फिल्मे बनी हैं लेकिन वन अधिकारी पर न के बराबर फिल्मे बनी हैं। एक रियल लाइफ फारेस्ट ऑफिसर रह चुके तुकाराम मोने ने इस विषय पर हिंदी फिल्म 'वनश्री' का निर्माण किया है। मुंबई के रेड बल्ब स्टूडियो में निमार्ता तुकाराम मोने की फिल्म 'वनश्री' का जबरदस्त ट्रेलर और म्युजिक लांच किया गया। तुकाराम मोने फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्देशक सुरेश सरोज हैं। इस फिल्म से एक्ट्रेस अँमी अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं जो फारेस्ट ऑफिसर की धमाकेदार भूमिका में हैं। फिल्म में बेहद महत्वपूर्ण किरदार अदा कर रही जरीना वहाब भी इस लांच पर मौजूद रहीं। साथ ही गेस्ट के रूप में नगरसेवक राजू पेडणेकर, अभिजीत राणे, दिलीप सेन, सुनील पाल भी मौजूद रहे। अली खान, सुफियान कपाड़िया सहित सभी मेहमानों को फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया। कांता मोने जी ने कई मेहमानों को सम्मानित किया। फिल्म के ट्रेलर में जबरदस्त डायलॉग भी हैं। एक संवाद है 'पौधे मेरी आत्मा हैं'। फिल्म का एक गीत जो हीरोइन अँमी पर फिल्माया गया है वह कमाल का है जिसके बोल हैं 'जंगल की है ये शेरनी, सबसे बड़ी शिकारी'। फिल्म का खूबसूरत संगीत तैयार किया है लक्ष्मीनारायण ने जबकि गानों को नक्काश अजीज, पामेला जैन और खुशबू जैन ने आवाज दी है। फिल्म में अँमी, जरीना वहाब, तुकाराम मोने, समीर खान, अली खान, कुमार राजपूत, राजेश भाटी, ज्ञानिश मोगा ने अभिनय किया है। फिल्म के सह निर्माता सुजीत मोने हैं। फिल्म के लेखक मनोज सिंह हैं। स्क्रीनप्ले और डायलॉग सुरेश सरोज और मनोज सिंह ने लिखा है। एक्शन डायरेक्टर सुरेश सरोज, डीओपी राजकुमार बघेल व हेमंत महेश्वरी, कोरियोग्राफर सुरेश सरोज, विक्रम बोराडे हैं। फिल्म 23 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। निर्माता तुकाराम मोने ने बताया कि फारेस्ट डिपार्टमेंट में 29 साल काम करने के बाद फारेस्ट डिपार्टमेंट पर यह फिल्म बनाई है। फिल्म में महिला सशक्तिकरण को भी दर्शाया गया है। अँमी ने एक वन अधिकारी की भूमिका प्रभावी रूप से निभाई है। फिल्म में 3 गाने हैं। एक आइटम नंबर भी है मगर उसमे जंगल का बैकग्राउंड है। प्रोड्यूसर तुकाराम ने आगे बताया कि फारेस्ट डिपार्टमेंट के लोगों की जिम्मेदारी कितनी अहम होती है, इस पिक्चर में दिखाया गया है। अँमी ने इसमे जांबाज फारेस्ट अधिकारी की भूमिका में जान डाल दी है। मेरी एक तमन्ना थी कि फारेस्ट डिपार्टमेंट पर एक फिल्म बनानी है, पुलिस डिपार्टमेंट पर तो कई फिल्मे बनी हैं मगर फारेस्ट डिपार्टमेंट पर न के बराबर फिल्मे बनाई गई हैं। इसमे पेड़ को बचाने और नए पौधे लगाने का सन्देश दिया गया है।

भामाशाह गहलोत ने सालरिया विद्यालय में खुदवाई ट्यूबेल, अब बच्चों को मिलेगा पीने योग्य पानी

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

सालरिया गांव के राजकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय की नए भवन के परिचर मे पानी की समस्या के चलते भामाशाह सुरज गहलोत द्वारा टुयुबेल खुदवाकर कर पुण्य कार्य करने पर ग्रामीणों ने भामाशाह परिवार का आभार जताया। 15 अगस्त को कार्यक्रम मे विद्यालय प्रधानाचार्य ने भामाशाह सुरेश गहलोत को विद्यालय के नये भवन मे पानी मुकमल सुविधा नही होने की समस्या बताई थी। जिसको लेकर सुरज गहलोत ने विद्यालय में ट्यूबेल खुदवाने की घोषणा की थी। वही गांव के बच्चों को विद्यालय मे पेयजल के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। ट्यूबवेल मे 80 फिट पर ही मिठा पानी आने पर विद्यार्थी व ग्रामीणों ने खुशी जताकर भामाशाह के पुण्यात कार्य की प्रशंसा की।

सबसे कम उम्र के आयोजक शम्स राठौड़ के रियलिटी शो 'हम हैं गली गाइस सीजन 2' की घोषणा, एपेक्स प्राइम ओटीटी पर होगा प्रदर्शित

मुंबई। टीवी रियलिटी शो हम हैं गली गाइस बॉयज एंड गर्ल्स सीजन वन की बेपनाह सफलता के बाद प्रिया फिल्म सिने विजन और एपेक्स प्राइम ओटीटी ने इसके सीजन 2 की घोषणा की है। इस यूनिक शो के दुनिया के सबसे कम उम्र के आयोजक शम्स राठौड़ हैं। मुंबई के बॉम्बे ब्रिज कैफे में सीजन 2 की घोषणा की प्रेस कांफ्रेंस रखी गई जहां शो से जुड़ी पूरी टीम के साथ सेलेब्रिटी गेस्ट श्वेता खंडूरी भी उपस्थित थीं। इस शो के आयोजक शम्स राठौड़, प्रोड्यूसर प्रिया राठौड़, लेखक निर्देशक हरीश पटेल, एक्टर पारस मदान (जज), सौम्यता दास (एपेक्स प्राइम ओटीटी हेड) यहां मौजूद रहे। लेखक निर्देशक हरीश पटेल ने बताया कि सीजन वन की सफलता के बाद अब हम इसका सीजन 2 लांच करने जा रहे हैं जिसका ऑडिशन शुरू करने जा रहे हैं। जिस तरह सीजन 1 के लिए भारत के छोटे बड़े शहरों में ऑडिशन रखकर प्रतिभाओं को चुना गया था उसी तरह सीजन 2 में भी किया जाएगा। शम्स राठौड़ ने इस इवेंट का कांसेप्ट सोचा, और इस छोटी सी उम्र में करके दिखाया। सीजन 2 के आने का सबूत है कि सीजन वन को लोगों ने खूब प्यार दिया है। इंडिया के कई राज्यों में जाकर ऑडिशन के द्वारा टैलेंटेड बच्चों को एक प्लेटफार्म दिया गया। इसमे सिंगिंग, डांसिंग, मिमिक्री, एक्टिंग सहित कई क्षेत्रों का हुनर रखने वालों को मौका दिया जाता है। ऑर्गनाइजर शम्स राठौड़ ने बताया कि पिछली बार की इस बार कई और नए शहरों में जाकर भी हम ऑडिशन लेंगे। शो की तैयारियां जोर शोर से शुरू हो गई हैं और हमारी पूरी टीम बेहद एक्साइटेड है। एक्टर पारस मदान, जो इस शो में जज की भूमिका निभाएंगे, ने बताया कि इतने सारे अच्छे कंटेस्टेंट्स में से बेस्ट जज करना मुश्किल होता है। हम इन्तेजार कर रहे हैं कि शम्स राठौड़ विभिन्न शहरों में जाकर टैलेंट्स खोजकर लाए। देश मे प्रतिभा की कमी नहीं है। मुम्बई, एमपी, यूपी, कश्मीर सहित पूरे देश मे प्रतिभाएं हैं। इसके दूसरे सीजन में बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा। शम्स राठौड़ ने आगे कहा कि इस बार 40 कंटेस्टेंट्स हिस्सा लेंगे, उम्र की कोई सीमा नहीं होगी। गली गाइस की खासियत यह है कि हर गली मोहल्ले के बच्चे जवान या उम्रदराज टैलेंट को भी एक उचित प्लेटफार्म मिलेगा। एपेक्स प्राइम ओटीटी की हेड सौम्यता दास ने कहा कि हम इस रियलिटी शो को एपेक्स प्राइम पर लेकर आने के लिए काफी उत्साहित हैं। हमारे ओटीटी का यही उद्देश्य है कि स्टार कास्ट से बढ़कर हम नए और अलग कंटेंट पर तवज्जो देते हैं। हमारी उम्मीदें इस बार पहले से अधिक हैं। यहां आईं अतिथि एक्ट्रेस श्वेता खंडूरी ने बताया कि सौम्यता और पारस मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, मैं उन्हें सपोर्ट करने आई हूं। यह दोनों बेहद क्रिएटिव हैं और हमेशा कुछ नया करने में लगे रहते हैं। जब मुझे पता चला कि गली गाइस के ऑर्गनाइजर दुनिया के सबसे छोटे शम्स राठौड़ हैं, तो मुझे बेहद हैरानी हुई। मैं सभी को दिल से शुभकामनाएं देती हूं। इस शो में अलग अलग किस्म का टैलेंट देखने को मिलेगा। मुझे इस शो का कॉन्सेप्ट एकदम यूनिक लगा। विभिन्न शहरों, रिमोट एरिया में जाकर वे टैलेंट्स तलाश कर लाने वाले हैं, इसमे एज की कोई लिमिट भी नहीं है। ये लोग झोपड़पट्टियों में जाकर वहां के बच्चों को भी पार्टिसिपेट होने का चांस देने वाले हैं। यही इस शो की यूएसपी है। पारस मदान ने बताया कि इस शो के टैलेंट को एपेक्स प्राइम पे बेहतरीन अवसर प्रदान किया जाएगा। हम आगे भी उन्हें काम देंगे। हमने हालिया वेब सीरीज साइबर सिंघम में 47 नए अदाकारों को मौका दिया। प्रोड्यूसर प्रिया राठौड़ ने बताया कि यह कॉन्सेप्ट मेरे बेटे शम्स का है और मैं उस पर बेहद गौरवांवित महसूस कर रही हूं। फर्स्ट सीजन की बेपनाह सफलता के बाद अब हम इसका दूसरा पार्ट ले कर आ रहे हैं। गलियों से टैलेंट निकालना बड़ा मुश्किल काम होता है। लखनऊ में इसका फाइनल होगा। शम्स राठौड़ पर फिल्माया गया एक सांग भी रिलीज किया गया।

प्रेस कांफ्रेंस में प्रोड्यूसर प्रिया राठौड़, निर्देशक हरीश पटेल, एक्टर पारस मदान (जज), सौम्यता दास, श्वेता खंडुरी की उपस्थिति

ब्यावर में भारतीय श्री सीमेंट कर्मचारी संघ ने पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। ब्यावर में भारतीय श्री सीमेंट कर्मचारी संघ ने आज सदर थाना ब्यावर में पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाया गया। आज के मुख्य अतिथि पुलिस उपअधीक्षक सुमित मरेहडा, सीआई चेनाराम उपस्थित रहे सदर थाने में आज नीम, अमरूद, शहतूत, शीशम, वह गुल्मोर, के पौधे लगाए गए।महामंत्री शंकरसिंह रावत ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ पूरे देश में 28 अगस्त को पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाली अमृता देवी के बलिदान को पर्यावरण दिवस के रूप मैं मनाता आया है। इस मौके पर पुलिस उप अधीक्षक सुमित महरेडा ने इस कार्य के लिए भारतीय श्री सीमेंट कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों को बधाई दी साथ ही मजदूर क्षेत्र के अलावा सामाजिक कार्य मैं गरीब बच्चों के एजुकेशन पर भी ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। अध्यक्ष मनोहर सिंह रावत ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। भारतीय श्री सीमेंट कर्मचारी संघ हर साल सार्वजनिक स्थानों पर पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण दिवस मनाता है आज सभी पदाधिकारियों ने पर्यावरण पर अपने अपने विचार रखे अध्यक्ष मनोहर सिंह रावत, शंकर सिंह रावत, दिलीप सेन, मोहन सिंह रावत, दिलीप टाक, अजीत राम, छगन दान चारण, निरू काठात, सुरजाराम, जितेंद्र सिंह, अजीत सिंह, साबुद्दीन काठात, आदि सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। उक्त जानकारी भारतीय श्री सीमेंट कर्मचारी संघ के महामंत्री शंकर सिंह रावत ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

जीवन में मनुष्य को अपने किए शुभ कर्मो का फल अवश्य भोगना पड़ता हैं: विमलेश बंसल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

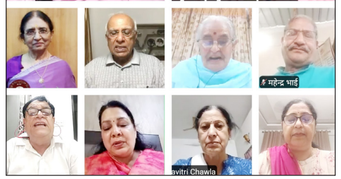

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'मृत्यु मीमांसा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल का 435 वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी विमलेश बंसल दर्शनाचार्य ने कहा -मृत्यु क्या? क्यों? कैसे? किस तरह जीव की गति होती है,क्या मृत्यु निश्चित है? क्या सब जीवों की समान एक समय पर मृत्यु होती है? क्या पुनर्जन्म होता है? क्या व्यक्ति १२ दिन के बाद जन्म लेता है? क्या मरकर जीव भूत प्रेत बन जाता है? जीव के कौन से वे कर्म जो मनुष्य पशु पक्षी इत्यादि का जन्म दिलाते हैं? अनुशयी जीव कब तक परमात्मा की व्यवस्था में रहता है? इत्यादि प्रश्नों का समाधान प्रमाणों तर्को व युक्ति के आधार पर रखा तथा मृत्यु के पार कैसे जाया जाए? विषय को आगे बढ़ाते हुए अत्यंत सरलता से वेदमंत्रों द्वारा उपाय भी बताए। उन्होंने आगे कहा कि तीन सत्ताएं अनादि हैं ईश्वर, जीव और प्रकृति, ईश्वर प्रकृति से जीवात्मा के लिए संसार की रचना करता है। प्रकृति सत्य है,जीवात्मा सत्य के साथ चेतन भी है, परमात्मा सत्य,चेतन और आनंद का अथाह भंडार है। अनादि सत्ताओं का विनाश नहीं होता।आत्मा और शरीर का संयोग जन्म और वियोग मृत्यु है,जीव कर्म करने में स्वतंत्र है, फल परमात्मा के अधीन है, अच्छे कर्म का अच्छा और बुरे कर्म का फल बुरा मिलना तय है, अतः हमें शुभ कर्म परोपकार,यज्ञ,दान आदि ही करने चाहिएं। जिससे हमें मनुष्य जन्म के चरमोत्कर्ष लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति भी कालांतर में हो सके। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन करते हुए कहा कि मृत्यु शाश्वत वह सत्य है पर हमें खुशी व प्रसन्नता से जीना चाहिए। जीवन जियो तो ऐसा की मृत्यु भी त्यौहार बन जाये। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री शकुंतला नागिया व अध्यक्ष चन्द्र कांता आर्या ने भी अपने विचार रखे। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि हम योग द्वारा मृत्यु को सुगम बना सकते हैं। गायिका रजनी गर्ग, रजनी चुघ, ईश्वर देवी, सुनीता अरोड़ा, कौशल्या अरोड़ा, कमला हंस, जनक अरोड़ा, संध्या पाण्डेय, कमलेश चांदना, शोभा बत्रा, सुदर्शन चौधरी, प्रवीना ठक्कर आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

स्वर्ण व्यावसाई हत्या कांड को लेकर आक्रोशित लोगों ने किया लाश के साथ किया सड़क जाम, घंटो रहा यातायात बाधित

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। नहीं थम रहा हत्या का दौड़। खानपुर थाना क्षेत्र के सेरोंपट्टी गांव में बीती रात एक स्वर्ण व्यवसायी को अपराधियों ने उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी जब वह अपना सोना चांदी का दुकान बन्द कर घर में प्रवेश ही करने वाला था। गोली लगते ही सोनार गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायल को स्थानीय लोगों कि मदद से ईलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं उसका एक सहयोगी को भी हाथ में गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसका उपचार चल रहा है। मृतक कि पहचान खानपुर थाना क्षेत्र के सेरोपट्टी गांव निवासी राम विलास साह का पुत्र रघुवीर साह उर्फ नत्थू सोनार के तौर पर हुई है। वहीं घायल कि पहचान दिलीप साह के तौर पर हुई है। बताया जाता है कि नत्थू साह का सोना चांदी का दुकान इलमासनगर चौक के पास है। वह दुकान बन्द कर अपने सहयोगी के साथ अपने घर बाईक से पहुंचा और जैसे ही बाईक घर के अंदर चढ़ा रहा था कि पहले से घात लगाये दो बाईक पर सवार चार अपराधियों ने स्वर्ण व्यवसायी पर गोली चला दी जिससे स्वर्ण व्यवसायी को दो गोली और उसके सहयोगी को एक गोली जो हांथ में लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गये। इस हत्या कांड को लेकर आक्रोशित लोगों ने खैरी पंचायत के सेरोपट्टी गांव एवं इलमासनगर पेट्रोल पंप के पास रविवार कि अहले सुबह से ही लाश के साथ मुख्य सड़क को घंटो जाम कर दिया तथा जमकर आगजनी की। जाम के कारण समस्तीपुर - खानपुर मार्ग पर सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। जिससे राहगीरों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। आक्रोशित लोग हत्यारे कि गिरफ्तारी, खानपुर थाना अध्यक्ष को हटाने एवं मृतक के परिजनो को उचित मुआवजा देने कि मांग कर रहे थे। जाम की जानकारी मिलने पर डीएसपी शहरेयार अख्तर मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगो को समझाते हुए कहा कि आज से खानपुर थाना अध्यक्ष को निलंबित कर दिया गया है। उन्हीं के आश्वाशन पर आक्रोशित लोगों ने जाम हटाया उसके बाद यातायात बहाल हो सका। मौके पर डीएसपी शहरेयार अख्तर के अलावा रोसड़ा विधायक वीरेंद्र पासवान, विधान परिषद सदस्य डॉक्टर तरुण कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, खानपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी गौरी कुमारी, नीलम सहनी, जिलापार्षद स्वर्णिमा सिंह, पूर्व प्रमुख पवन देव प्रसाद सिंह, सीओ रंजन कुमार दीवाकर, शिक्षक लाल बाबू आदि उपस्थित थे।

◆ शुक्रवार को रत्नागिरी जिला के चिपलुन शहर में डायमंड सिरामिक्स के मालिक नवीद पिलपिले व उनके पिता सलीम भाई तथा कांग्रेस के युवा मोर्चा अध्यक्ष चिपलुन शहर फैजल पिलपिले व साथ में उनका मैनेजर एवं मुंबई के उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के पत्रकार नरेंद्र भाई सोनी द्वारा उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के संपादक ओम प्रकाश प्रजापति को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के विस्तार के लिए चर्चा की गई।

शाहपुरा में छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी ने बाजी मारी, एनएसयूआई चारों खाने धड़ाम

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे में छात्रसंघ चुनाव-2022 के परिणामों की घोषणा के साथ ही विद्यार्थी परिषद ने बाजी मारते हुए चारों पदों पर जीत हासिल की। वहीं एनएसयूआई चारों खाने चित नजर आई। स्थानीय श्री प्रताप सिंह बारहठ महाविद्यालय में अध्यक्ष पद पर विद्यार्थी परिषद की मोना आचार्य 601 मत प्राप्त कर 140 मतों से एनएसयूआई के शंकर बंजारा को मात दी। वही उपाध्यक्ष पद पर भी विद्यार्थी परिषद के अभिषेक जाट ने 579 मत प्राप्त कर एनएसयूआई के परमेश्वर जाट को 125 मतों से हराया। महासचिव पद पर भी विद्यार्थी परिषद के नरेश खटीक ने 537 मत प्राप्त कर एनएसयूआई के ओमप्रकाश कुमावत को 38 मतों से हराया। संयुक्त सचिव के पद पर विद्यार्थी परिषद ने अपना कब्जा जमाते हुए विद्यार्थी परिषद के शिवराज बेरवा 529 मत प्राप्त कर एनएसयूआई की गरिमा कंवर को 20 मतों से हराया। एक बार फिर स्थानीय विद्यालय में विद्यार्थी परिषद का दबदबा बरकरार रहा। निर्वाचन अधिकारी पुष्कर राज मीणा की उपस्थिति में प्राचार्य रामावतार मीणा ने सभी विजेताओं को शपथ दिलाई। उधर दूसरी और परिणाम घोषित होने से पूर्व ही महाविद्यालय परिसर के बाहर पुलिस उपाधीक्षक करण सिंह के नेतृत्व में माकूल पुलिस जाब्ता नजर आया। जीत की घोषणा से पूर्व ही विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता कॉलेज के बाहर ढोल बजाकर जश्न मनाते नजर आए।

जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार बाबू अंसारी नशा मुक्ति जागरुकता अभियान के राजस्थान प्रदेश मीडिया प्रभारी बने

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान कार्यकर्ता सम्मेलन व रक्तदान शिविर में बाबू अंसारी को राजस्थान प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया और प्रमाण पत्र दे कर नशा मुक्ति जागरुकता टीम की और से सम्मानित किया गया। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अध्यक्ष शैख खलील और उनकी टीम की ओर से दिन रविवार 28 अगस्त को जयपुर गौसिया मस्जिद के पास वी कैन स्कूल में नशा मुक्ति, रक्तदान शिविर व सम्मान समारोह किया गया। इस कार्यकर्ता सम्मेलन बतौर मुख्य अतिथि मोहम्मद इकबाल खान सीः ई :ओ दि राज लक्ष्मी अर्बन को ऑपरेटिव बैंक उपस्थित रहे। पत्रकार बाबू अंसारी की मीडिया प्रभारी बनने पर प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़, वरिष्ठ समाजसेविका (उदयपुर), वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी (श्रीगंगानगर), वरिष्ठ पत्रकार जे.पी. शर्मा (जयपुर), पत्रकार रामसुख मेघवंशी (आमेसर), पत्रकार कृष्ण गोपाल शर्मा (आमेसर), डॉ. सुनीता खोकर वरिष्ठ समाजसेविका (भीलवाड़ा) आदि ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ग्राहकों को खुलेआम ठग रहा है रिलायंस स्मार्ट मॉल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / मुकेश शर्मा

राजस्थान। ग्वालियर शहर के सिटीसेन्टर इलाके के स्थिति रिलायंस स्मार्ट मॉल ग्राहकों के साथ खुलेआम ठगी कर रहा है।मॉल की चमक, धमक या आधुनिकता की होड़ में अपना स्तर दिखाने के लिये लोग मॉल में खरीदारी करने तो चले जाते हैं, वहां जाकर उनको पता चलता है कि उनके साथ ठगी होगई।चाहे शब्जी हो या घी मॉल के हर सामान में गोलमाल हैऐसा ही बाकया दिनांक 24.08.2022 की शाम को शताब्दीपुरम निवासी एक ग्राहक अशोक शर्मा के साथ हुआ श्री शर्मा ने अपने घर के लिए लगभग 10 हजार रु का सामान खरीदा जिसमें अन्य सामान के साथ 5 किलो का अमूल घी का डब्बा भी था काउंटर पर बैठा व्यक्ति जब रेट चैक कर रहा था तो सभी वस्तुओं का रेट लगाने के बाद जब घी के डब्बे का नम्बर आया तो उसने कहा कि इसको हम आपको नहीं दे सकते यह पुरानी एमआरपी का है आप नई एमआरपी का लेजाओ इसके श्री शर्मा और काउंटर पर बैठे व्यकि से इस मुद्दे को लेकर काफी बहस हुई तब डिपार्टमेंट मैनेजर को बुलाया गया डिपार्टमेंट मैनेजर से श्री शर्मा ने कहा कि आप दोनों डब्बे देदो तो मैनेजर बोला कि अब आपको एक भी डब्बा नहीं मिलेगा।इस तरह होती है रिलायंस स्मार्ट मॉल में

ठगी पुरानी एमआरपी की कोई वस्तु ग्राहक को सस्ती मिलेगी क्योंकि मॉल कंपनी को वापस तो करेगा नहीं किसी न किसी तरह रेट बदल कर ग्राहकों को नई रेट में बेचदेगा इसलिए मॉल से सामान खरीदने से पहले चमक दमक छोड़कर उसकी एक्सपायरी डेट और एमआरपी जरूर चैक करें नहीं तो मॉल आपको यूं ही ठगते रहेंगे।

इनका कहना है: 1.मेंने 24 तारीख की शाम को सिटीसेन्टर के रिलायंस मॉल में घर के लिये 10 हजार रु से अधिक का सामान खरीदा जिसमें अमूल घी का 5 किलो का एक डब्बा था सब सामान का रेट लगगया तो आखिर में घी के डब्बे की बारी आई जिसको यह कहकर देनेसे मना कर दिया कि ये पुरानी रेट का है आप नई रेट का लेलो इसको में नहीं दे सकता बाद काउंटर पर बैठे व्यक्ति एवं डिपार्टमेंट मैनेजर ने नई रेट का भी देनेसे मना कर दिया।

अशोक शर्मा,उपभोक्ता शताब्दीपुरम

1. में अब आपको न पुरानी रेट का घी दूंगा न नई का आप किसी अन्य जगह से लें जब यह पूछा कि आपने पुरानी रेट के 25-30 डब्बे नये डब्बों के बीच में क्यों लगा रखे हैं तो कहा कि हमारे गोडाउन में जगह नहीं है।

संयम मल्होत्रा
डिपार्टमेंट मैनेजर, रिलायंस स्मार्ट मॉल

चौकी प्रभारी की दबंगई आई सामने पीड़ित को ही मारा थप्पड़

संवाददाता/फहीम अहमद राज

हरीद्वार। उत्तराखंड पुलिस वैसे तो मित्रता सेवा एवं सुरक्षा के नाम से जानी जाती है, लेकिन उत्तराखंड पुलिस मित्रता सेवा एवं सुरक्षा के नारे को कितना बुलंद कर रही हैं इसका पता आपको इस प्रकरण से चल जाएगा, उत्तराखंड पुलिस के डी जी पी अपने मातहतों को रात दिन नियम कायदे का पाठ पढ़ा रहे हैं लेकिन उन्ही के मातहत खुद नियम कायदे को कितना पलीता लगा रहे हैं इसका अंदाजा आपको इस बात से पता चलेगा, ताजा मामला मंगलौर क्षेत्र के लंढोरा पुलिस चौकी का है जहां पर खुद चौकी प्रभारी दरोगा अकरम की दबंगई सामने आई है, लंढौरा क्षेत्र के ग्राम गाधारोना निवासी गुलशेर का अपनी पुश्तैनी जमीन को लेकर अन्य व्यक्ति के साथ लंबे समय से विवाद चला रहा है मामला न्यायालय में विचाराधीन है तो ऐसे में किसी भी पक्ष को निर्माण कार्य करने की अनुमति नहीं है, दूसरा पक्ष अपनी दबंगई और चौकी प्रभारी जी की हुजूरी के बल पर धड़ल्ले से निर्माण कार्य चला रहा है जिसकी शिकायत लेकर पीड़ित चौकी प्रभारी के पास पहुंचा जैसे ही पीड़ित ने अपनी तहरीर चौकी प्रभारी के समक्ष रखी तो प्रभारी जी ने पीड़ित की तहरीर अच्छी तरह देखी भी नही और पीड़ित को ही खरी खोटी सुनानी शुरू कर दी और उसकी तहरीर को उसके माथे पर फेंक कर मारी और कहने लगे की निर्माण कार्य रुकवाने के आदेश कहां है मैं कार्य नहीं रुकवा सकता इस पर पीड़ित ने अपना जवाब देते हुए कहा यदि निर्माण कार्य रुकवाने की कोई आदेश नहीं है तो निर्माण कार्य करवाने के ही आदेश

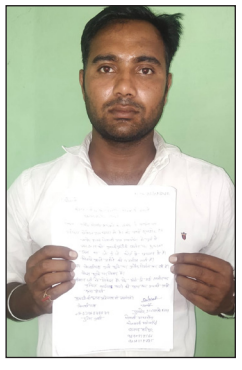

कहां है इतना सुनते ही चौकी प्रभारी आग बबूला हो गए और पीड़ित के जोर से थप्पड़ रसीद कर दिया पीड़ित का कहना है कि चौकी प्रभारी ने मेरे साथ बहुत ही घटिया किस्म की अभद्रता और गाली गलौज और मारपीट की है, पीड़ित का कहना है की चौकी प्रभारी ने दूसरे पक्ष से एक होमगार्ड के माध्यम से 35000 रुपये रिश्वत लेकर निर्माण कार्य करवाया है, जो पूरी तरह अवैध है नियम कायदों को ताक पर रखकर निर्माण कार्य कराया गया है पीड़ित का कहना है कि मुझसे चौकी प्रभारी ने कहा है कि जब तक वाहा पर कोई झगड़ा या कोई मरेगा नहीं में निर्माण कार्य नही रुकवा सकता, चौकी प्रभारी का इतना संवेदनहीन बयान शर्मनाक है चौकी प्रभारी आप एक संवैधानिक पद पर हो आपके ऊपर पूरे क्षेत्र की शांति व्यवस्था की जिम्मेदारी है पूरे क्षेत्र में अगर कहीं भी लौंड ऑर्डर की समस्या उत्पन्न होती है तो जवाब देही आपकी होगी आपके थाना अध्यक्ष की होगी, एक चौकी प्रभारी का इतनी जिम्मेदारी के पद पर होने के बाद भी नियम कायदों को ताक पर रखकर इस तरह की बयान बाजी करना ओर पीड़ितों के साथ इस तरह का व्यवहार करना निहायती शर्मनाक है और दुर्भाग्यपूर्ण है, आपकी जिम्मेदारी अपराधियों को जेल भेजना और उनको सजा दिलाना है और पीड़ितों को न्याय दिलाना है ताकि जनता का पुलिस के प्रति विश्वास बढ़े, इस प्रकरण के संबंध में सीओ मंगलौर से बात की गई तो उन्होंने कहा यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है इस मामले की जानकारी लेकर कार्यवाही की जाएगी।

दरगाह हजरत सैय्यद शहीद गुलाब शाह बाबा की सर्वसम्मति से नई कमेटी नियुक्त, सालाना 24 वा उर्स धूमधाम से मनाना हुआ तय

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

आमेट। हजरत सैय्यद शहीद गुलाब शाह बाबा आमेट दरगाह पर शुक्रवार को बाद दोपहर आम मुस्लिम समाज की एक बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से नई दरगाह कमेटी गठित की गई जिसमें अध्यक्ष पद पर एडवोकेट शराफत हुसैन फौजदार, सेक्रेटी पद पर जहूर हुसैन सोरगर, एवम खजांची पद पर आजाद हुसैन मंसूरी को सर्वसम्मति से निवाचित किया। इस दौरान कासम मनसुरी,मुस्लिम महासभा के जाफर खान फौजदार, नगर पालिका वाइस चेयरमेंन हाजी मिरु खान मंसूरी, अमीर मोहम्मद सोरगर,हाजी मुबारिक मंसूरी, सलीम मोहम्मद मंसूरी,तुफैल अहमद उस्ता, इब्राहिम मंसूरी, हामिद खान पठान, जाकिर हुसैन उस्ता,पार्षद ताहिर हुसैन सोरगर, मुस्तफा रंगरेज, अशफाक सोरगर, बाबू भाई गर्ग, जाकिर शाह ,दरगाह खादिम मुद्दसिर हुसैन चीनू बापू मंसूरी, फारुख मंसूरी, हारून छीपा, मुबारिक भिस्ती, आजाद हुसैन छीपा, मोहम्मद हुसैन, अधिवक्ता मोहम्मद नूर शेख, अकरम शेख आदि मौजूद रहे।

'वाइस ऑफ मीडिया' की बुलढाणा में कार्यकारी समिति की घोषणा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। पत्रकारों और पत्रकारिता के सर्वांगीण विकास और हित के लिए देश के 17 राज्यों में कार्यरत संगठन 'वाइस ऑफ मीडिया' के बुलढाणा नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जिस में गणेश निकम को अध्यक्ष और सचिन लहाने को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।वाइस ऑफ मीडिया' पत्रकारिता और पत्रकारों के कल्याण के लिए 50 वरिष्ठ संपादकों द्वारा गठित एक संघ है। यह संस्था देश के 17 राज्यों में कार्यरत है। 'वॉयस ऑफ मीडिया' के संस्थापक अध्यक्ष संपादक बुलढाणा जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बागड़े, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण जैन, सिद्धेश्वर पवार ने बुलढाणा शहर के कार्यकारी संदीप काले, विदर्भ अध्यक्ष अनिल म्हस्के इनके मार्गदर्शन में गठन किया गया है।

बिना अनुमति हरियाणा से खनन सामग्री ला रहे ट्रेला को खनन विभाग की टीम ने मंगलौर में किया सीज

संवाददाता/फहीम अहमद राज

हरीद्वार। जिलाधिकारी हरिद्वार के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में खनन विभाग की टीम की कार्यवाही जारी है। उत्तराखंड में प्रदेश के बाहर से रेता, आर0बी0एम0 परिवहन की अनुमति खनन नियमावली-2021 में अनुमत नही है, जिसमें उक्त के परिवहन की शिकायत प्राप्त हो रही थी, निदेशक महोदय के निदेर्शों के अनुपालन में इसकी जांच हेतु सहायक भूवैज्ञानिक/ खान अधिकारी, हरिद्वार ने 26 अगस्त को मंडावर-भगवानपुर क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें क्षेत्र में जांच की भनक लगते ही वाहन उत्तराखंड की सीमा से वापस मुड़ गये, कुछ समय बाद खनन विभाग की टीम दस कि0मी0 आगे निकलने के बाद एक वाहन UK17CA

4005 रेता भरे पाया गया, जिसमें कोई वैध ई रवन्ना न होने के कारण 16 टायरा हाइवा जिसमे 15 घन मी0 रेता था, उक्त हाइवा यमुना नगर, हरियाणा से मंगलौर क्षेत्र में आ रहा था। उक्त वाहन को सीज कर कोतवाली मंगलौर के सुपुर्द किया गया है। जिसकी रिपोर्ट जिलाकार्यालय को प्रेषित की जायेगी। खान अधिकारी का कहना है कि अवैध खनन, परिवहन पर लगातार कार्यवाही जारी रहेगी व ऐसे क्षेत्रों में रात को भी टीम बनाकर गस्त बढाई जायेगी। बाहरी जनपदों से अवैध रेता पर लगातार निगरानी रखी जायेगी ऐसे वाहनों को सीज कर कार्यवाही की जायेगी। खनन विभाग की टीम में सहायक भूवैज्ञानिक/खान अधिकारी, हरिद्वार, खनिज मोहरिर माधो सिंह, विजय सिंह व 02 पी0आर0डी0 स्टाफ पदम व बबलू उपस्थित थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सर्दियों में क्यों खानी चाहिए गाजर, जानिए इसके बेमिसाल फायदे

सर्दी के मौसम में खान-पान का खास-ख्याल रखना पड़ता है। सर्दी के मौसम में लोग ज्यादातक साग, बथुआ और गाजर की सब्जी खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसके इलावा इस मौसम में रोजाना 1 कच्ची गाजर और इसके जूस का सेवन कई हेल्थ प्रॉब्लम को दूर करता है। कैरीटोनॉइड, पोटैशियम, विटामिन अ और ए के गुणों से भरपूर गाजर का सेवन कैंसर और दिल की बीमारियों को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा कच्ची गाजर या इसके जूस का सेवन इम्यून पॉवर को भी बढ़ाता है। आप इसे सब्जी, सलाद, जूस या सूप किसी भी तरह से डाइट में शामिल कर सकते है। तो आइए जानते है सर्दियों में खाई जाने वाली गाजर से मिलने वाले फायदे के बारे में।

1. कैंसर

गाजर में पाया जाने वाला कैरीटोनॉइड शरीर के इम्यून पॉवर बढ़कर बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव करता है।

2. सर्दी-खांसी

150 ग्राम गाजर, 3 लहसुन और लौंग की चटनी बनाकर रोजाना सुबह खाने से पुरानी या सर्दी की खांसी दूर हो जाएगी। इसके अलावा इससे सर्दियों में होने वाली बीमारियां भी दूर रहती है।

3 . दिल का रखें खयाल

रोजाना 1 कच्ची गाजर को भून कर खाने से दिल स्वस्थ रहता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन, अल्फा कैरोटीन और लुटेइन जैसे एंटीऑक्सीडेंट गुण हार्ट अटैक और दिल की बीमारियों को दूर करते है।

4. ब्लड प्रेशर कंट्रोल

रोज 1 गिलास गाजर का जूस पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसमें मौजूद पोटैशियम ब्लड प्रेशर को घटने या बढ़ने नहीं देता। इसके अलावा इसके जूस का सेवन शरीर को भी गर्म रखता है।

5. खून की कमी

गाजर में भरपूर आयरन और विटामिन ए पाया जाता है, जिससे शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान इसका सेवन हैवी ब्लड फ्लो को कम करने में मदद करता है।

6. यूरिन में इंफेक्शन

इसमें आंवला का रस और काला नमक मिला कर खाने से यूरिन में इंफेक्शन और जलन की समस्या से छुटकारा मिल जाता है।

7. आंखों की रक्षा

गाजर में भरपूर मात्रा में विटामिन अ पाया जाता है, जो आंखों के लिए बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन मोतियाबिंद और एनीमिया जैसी बीमारियों को दूर करता है।

8. स्किन समस्याएं

गाजर का सेवन खून से गंदगी को अलग करके यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है। जिससे स्किन हेल्दी रहती है और दाग-धब्बे, कील-मुंहासें जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

9. गठिया

गाजर खाने से गठिया, पीलिया और अपच की समस्यां से छुटकारा पाया जा सकता है। गाजर का सेवन पेट की सफाई करता है। इसके अलावा पीलिया के मरीजों के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

10. पथरी की समस्यां

दिन में 2 बार गाजर के जूस का सेवन किडनी स्टोन की प्रॉब्लम को खत्म करता है। इसके अलावा पथरी से छुटकारा पाने के लिए गाजर का मुरब्बा भी फायदेमंद होता है।

5 तरीके से इस्तेमाल करें हल्दी चेहरे की हर प्रॉबल्म होगी कम

भागदौड़भरी जिंदगी में लोग सेहतमंद और खूबसूरत दिखने के लिए कई महंगे प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करते है। जो फायदे जगह नुकसान भी पहुंचा सकते है। हमारी किचन में कई ऐसी चीजें मौजूद होती है, जो हमारी सेहत के साथ-साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद होती है। आज हम आपको उसी के बारे में बताने जा रहे है, जिसका कोई साइड-इफैक्ट भी नहीं होता।

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जिसका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए हर घर में किया जाता है। हल्दी जहां खाने के स्वाद को बढ़ाती है, वहीं यह सेहत से जुड़ी कई प्रॉबल्म को भी दूर रखती है लेकिन आज हम हल्दी के स्वास्थ्य फायदों को छोड़ कुछ ब्यूटी फायदों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में हम सभी को पूरी जानकारी होना चाहिए। हल्दी से बने फैसपेक से आप स्किन से जुड़ी कई प्रॉबल्म से तुरंत छुटकारा पा सकते है। आज हम आपको हल्दी से बने कुछ फैसपेक के बारे में बताएंगे, जिन्हें ट्राई करके जरूर देखें, काफी फायदा मिलेगा।

1. हल्दी और बेसन

सर्दियों में त्वचा काफी शुष्क हो जाती है। ऐसे में हल्दी के पेक लगाने से चेहरे पर नमी के साथ ग्लो भी बना रहता है। पेक बनाने के लिए 5 चम्मच बेसन में एक चौथाई चम्मच हल्दी और 4 चम्मच कच्चा दूध व एक चम्मच शहद मिलाएं। अब इस पेक को 15-20 मिनट तक चेहरे और गर्दन पर लगाएं। थोड़ी देर बाद पानी से धो दें।

2. हल्दी और अंडा

एक अंडे में आधा चम्मच जैतून या बादाम का तेल, आधा चम्मच गुलाबजल, आधा चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच हल्दी लेकर अच्छी तरह मिला लें। फिर इस पेस्ट को 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। फिर साफ पानी से धोएं। इससे ड्राई स्किन पर नमी आएगी।

3. हल्दी और चंदन

हल्दी और चंदन का लेप लगाने से त्वचा के रोम छिद्रों से तेल निकलना कम होता है। साथ ही मुहासों की समस्या भी दूर होती है। लेप को तैयार करने के लिए 2 चम्मच चंदन पाउडर में 3 चुटकी हल्दी पाउडर और 2 चम्मच दूध मिलाएं। फिर इस लेप से चेहरे की 10-15 मिनट तक मसाज करें। फिर सूखने के बाद पानी से धो लें। इससे त्वचा में निखार आएगा।

4. हल्दी और दही

हल्दी और दही का पैक सन टैन और त्वचा की सफाई अच्छे से करता है। इस पैक को तैयार करने के लिए आधे चम्मच हल्दी पाउडर में 1 चम्मच दही मिलाएं। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं और फिर ठंडे पानी से धो लें।

5. हल्दी और नींबू

नींबू और हल्दी का पैक ब्लीच की तरह काम करता है। इस पैक को तैयार करने के लिए एक चम्मच हल्दी में दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इस पेस्ट को अपने फेस पर 20 मिनट तक लगाएं। इससे आपकी स्किन अच्छे से निखर जाएगी।

6. हल्दी और शहद

अगर आपकी स्किन पर झुर्रियां पड़ रही है तो आप हल्दी और शहद का फेसपैक इस्तेमाल करें। इस पैक को बनाने के लिए शहद और हल्दी में थोड़ी सी बूंदे गुलाब जल की मिलाएं। फिर इसे अपने गर्दन और चेहरे पर लगाएं।

शरीर में फाइबर की कमी होने पर खाएं ये आहार

शारीरिक विकास और स्वस्थ रहने के लिए फाइबर बहुत जरूरी है। यह भोजन को पचाने में सहायक है। इसकी कमी होने पर बावसीर, कोलेस्ट्रोल, कब्ज, शुगर लेवल बढ़ना जैसी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फाइबर युक्त भोजन का सेवन करने से कैंसर, मोटापा, दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। हर व्यक्ति को अलग-अलग मात्रा में फाइबर की जरूरत होती है। पुरूषों को दिन में 35 से 40 ग्राम और महिलाएं रोजाना 25 ग्राम फाइबर का सेवन जरूरी होता है। क्योंकि अधिक मात्रा में फाइबर खाने से कई बार शरीर को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आज हम आपको किन चीजों को खाने से फाइबर की कमी पूरी होती है उसके बारे में बताएंगे। तो आइए जानते फाइबर युक्त पदार्थों के बारे में।

1. ओट्स

नाशते में ओट्स खाने से शरीर में फाइबर की कमी पूरी हो जाती है और सारा दिन एनर्जी बनी रहती हैं। आप इसका डोसा या उत्तपम बना कर भी खा सकते है। 100 ग्राम ओट्स में 1.7 ग्राम फाइबर होता है जो शरीर को स्वस्थ रखते है।

2. गेहूं

गेहूं से बनी चीजों का सेवन शरीर में फाइबर की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा चकोर वाले आटे की रोटी खाने से भी शरीर को भरपूर फाइबर मिलता है।

3. फल

सेब, नाशपाती जैसे फलो में फाइबर होता है। इन को अच्छे से धो कर बिना छिलका उतारे खाएं क्योंकि फाइबर इनके छिलको में ही होता है।

4. ब्रोकली

विटामिन-सी, कैल्शियम और फाइबर के गुणों से भरपूर ब्रोकली को उबालकर या भूनकर भी खाने से कई बीमारियां दूर रहती हैं।

5. ड्राई फ्रूटस

ड्राई फ्रूटस, दहीं, सलाद और अनाज रोजाना एक मुठ्ठी सेवन कैंसर जैसी बीमारियों से बचाता है।

6. भुट्टा

एक भुट्टे में करीब 4 ग्राम फाइबर होता है। रोजाना 1 भुट्टे का सेवन शरीर में फाइबर की कमी को पूरा करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'गंगुबाई' ऑस्कर नॉमिनेशन में ले सकती है एंट्री

आलिया भटट् इंडस्ट्री की सबसे सफल एक्ट्रेस में से एक है। एक से बढ़कर फिल्में करके आलिया लोगों का दिल बड़ी ही तेजी से जीतती जा रही है। इसी साल फरवरी में रिलीज हुई फिल्म 'गंगूबाई' में आलिया का रोल बेहद चैलेजिंग था, लेकिन इसे आलिया ने बड़ी ही बखूबी निभाया जिससे उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई। हाल ही में जिस तरह की खबरें आ रही है, उससे माना तो यहीं जा रहा है कि संजय लीला भंसाली के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को ऑस्कर में भेजा जा सकता है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आलिया भट्ट की फिल्म 'गंगूबाई' की इस साल ऑस्कर में भारत की तरफ से आधिकारिक एंट्री होने के पूरे आसार है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस साल की शुरूआत में फिल्म के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रीमियर हो चुके हैं और इसे बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके साथ ही यह फिल्म अंतर्राष्ट्रीय बेल्ट में सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक है। फिल्म ने इंटरनेशनली 7.50 मिलियन डॉलर की कमाई की है। इन सब कारणों की वजह से माना जा रहा है कि संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म 'गंगूबाई' की ऑस्कर में एंट्री हो सकती है।

सोहेल खान संग तलाक पर बोली सीमा सजदेह

बॉलीवुड एक्ट और डायरेक्टर सोहेल खान ने हाल ही अपनी पत्नी सीमा सजदेह संग तलाक के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। 1998 में दोनों ने शादी रचाई दी थी। 24 साल बाद इनके अलग होने के फैसले से हर कोई हैरान है। लेकिन अभी तक सोहेल ने कही भी इस मुद्दे पर बात नहीं की। वहीं, सीमा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात की है। इस दौरान सीमा ने कहा कि मैंने अपने पास से सारी नेगिटिविटी हटा दी है। सोहेल संग तलाक पर बात करते हुए सीमा कहती हैं, अगर मुझे इस बात को लेकर सोच में डूबना होता, तो मैं कर ही लेती। ये बहुत डार्क जगह है जिसमें आप आराम से खो सकते हैं, पर मैंने दूसरी तरफ रहना सही समझा। यही चीज मुझे जिंदगी में आगे बढ़ाती है। सीमा आगे कहती है कि, आपके बच्चे, फैमिली मेंबर्स, भाई और बहन कोई भी आपको ऐसे नहीं देख पायेगा। बहन या बेटी को इस तरह नहीं देख सकते। इसलिये आप लगातार उस इंसान के लिये परेशान रहते हैं। यही वजह है कि मैंने जिंदगी को पॉजिटिव नजरिये से देखना शुरू कर दिया है। मैंने अपने पास से सारी निगेटिविटी हटा दी है। सीमा कहना है कि अब मैं अपनी लाइफ में उस मुकाम पर पहुंच गई हूं, जहां मुझे किसी चीज की परवाह नहीं है। लोगों को पता है कि सीमा कौन हैं। उनका परिवार कौन है। मेरे पेरेंट्स, बच्चे, भाई-बहन और आस-पास मौजूद लोग जानते हैं कि वो कौन हैं। सीमा कहती हैं कि मैं अपने साथ सच्ची रहने वाली हूं। मेरे पास जीरो फिल्टर है।

ABVM AGRAWAL JATIYA KOSH'S GHANSHYAMDAS JALAN COLLEGE
Estd. : 2011

G. D. JALAN COLLEGE
Affiliated to University of Mumbai & M.S. Board
(MARWARI MINORITY)
Admissions Open

Junior College
F.Y.J.C - Science
(MU248SPE)
F.Y.J.C - Commerce
(MU248CPE/ MU248CFE)
Contact Number:
9321558419

Degree College
College code: 527
Courses Offered
• B.Com
• B.Sc (CBZ)
• B.M.S
• B.Sc.I.T
• B.A.F
Contact Number:
9321303663

Our college provides Placements